सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वार्षिक समारोह को बनाया यादगार

हरिभूमि न्यूज, जैतहरी

हिंदुस्तान पावर कॉलोनी स्थित बाल भारती स्कूल का वार्षिक समारोह देश की विविधतापूर्ण समृद्ध संस्कृति को समर्पित रहा। मोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भरपूर इस रंगारंग कार्यक्रम में अमरकंटक जनजातीय विश्वविद्यालय के डीन डा. [illegible] हरि नारायण मूर्ति ने मुख्य अतिथि की हैसियत से भाग लिया, वहीं स्थानीय अभिभावकों और कस्बे के अधिकारियों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। बीती शाम हुए इस रंगारंग समारोह में बच्चों ने जीवंत प्रस्तुतियों से मेहमानों का मन मोह लिया। 'संस्कृति-द हृदय ऑफ

कल्चर' नामक इस समारोह के मंच पर भारत की विविधतापूर्ण लोक संस्कृति की झिलमिल छटाएं कौंधती रहीं। नन्हे-मुन्ने बच्चों की प्रस्तुति "ट्विंकलिंग स्टार्स" ने चंदा मामा से बच्चों के काल्पनिक संवाद की छवि उभारने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं, कोंकण तट के मछुआरों की उल्लासमय जिंदगी की छवियों से लैस कोली डांस ने भी खूब मंत्रमुग्ध किया। वसंत ऋतु के आगमन की संवेदना को समेटे मलयालम डांस, नटखट कन्हैया की रोमांचक लीलाओं पर केंद्रित रासलीला, बेटी बचाओ संदेश से भरपूर 'सेव गर्ल चाइल्ड डांस', संतुलन और समन्वय से भरपूर स्टेप टू स्टेप रॉक्स, बांग्ला संस्कृति पर केंद्रित बंगाली डांस और बुंदेलखंड के अहीर समुदाय की जिंदगी पर केंद्रित अहीर डांस आदि ने समारोह को यादगार बना दिया। इस मौके बाल भारती के प्राचार्य अनूप दीक्षित ने स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा, "हमारे बच्चों ने विविध क्षेत्रों में प्रतिभा दिखाकर हमारा मान बढ़ाया है।